रि प्रसाद अधिकारी
ध्यक्ष
त्मक धर्म दर्शन विभाग
र्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय
राणसी - 221002
रभाषा : 09451894408

(10)

नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त

Prof. Hari Prasad Adhikari
Head Department of Comparative
Religion and Philosophy
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi - 221002
Mobile No. : 09451894408

पत्रांक/Ref ....

काव्यलेखन

दिनांक/Date 06/07/2022

(10)

तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग में काव्यरचना प्रशिक्षण विगत कई वर्षों से दिया जा रहा है, जिसमें जिज्ञासु छात्र उपस्थित होकर विभिन्न छन्दों में श्लोक रचना करते हैं। यहाँ प्रशिक्षित छात्र कई संस्कृत कवि सम्मेलनों में भाग ग्रहण भी कर चुके हैं।

कुछ छात्रों का विवरण निम्नवत् है -

(1) श्री आशीषमणि त्रिपाठी शोधच्छात्र साहित्य विभाग

(2) डा॰ केशव पोखरेल अध्यापक सिक्किम सरकारी संस्कृत महाविद्यालय, साम्दोंग सिक्किम।

(3) श्री लेखनाथ जोइयाल - शोधच्छात्र, संस्कृत विद्याधर्म विज्ञान संकाय, का॰हि॰वि॰वि॰, वाराणसी।

(4) डा॰ सुजाता पटेल, अतिथि अध्यापिका, आर्य महिला महाविद्यालय।

उक्त प्रशिक्षण जनवरी-फरवरी- 2017 से आवश्यकतानुसार आज भी दिया जा रहा है।

दिनाङ्क ....

5.1.3

काव्य गोष्ठी (कवि सम्मेलन)

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के योगसाधना केन्द्र में प्रतिवर्ष फरवरी 14 तारीख को, वाराणसी के मूर्धन्य कवियों की काव्य गोष्ठी होती है। यह गोष्ठी सन् 2016 से लगातार हो रही है। कोरोनाकाल में यह गोष्ठी आनलाइन हुई थी। इसे सम्पन्न कराने में विद्याश्री न्यास, एवं बौद्ध दर्शन विभाग सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय का योगदान रहता है।

गोष्ठी की अध्यक्षता - कुलपति सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय

स्वागत - स्व० प्रो० रमेशकुमार द्विवेदी, पूर्व अध्यक्ष, बौद्ध० विभाग

कृतज्ञताज्ञापन - डॉ० दयानिधि मिश्रा, पूर्व डी.आई.जी

सञ्चालन - प्रो० हरिप्रसाद अधिकारी, अध्यक्ष, तुलनात्मक धर्मदर्शन विभाग।

[signature]

27/11/2021

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पत्रांक : कु.स. 2128 /2024 दिनांक : 22 फरवरी, 2024

कार्यालय-ज्ञाप

विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं को स्पर्धात्मक परीक्षाओं में मार्गदर्शन के अन्तर्गत **काव्य लेखन एवं नाट्य प्रशिक्षण** (**Training on Composing Sanskrit Creative Poetry And Dramaturgy**) कार्यक्रम हेतु प्रो॰ हरि प्रसाद अधिकारी, आचार्य- तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग को समन्वयक एवं श्री नितिन आर्य, सहायक आचार्य- व्याकरण विभाग को सह-समन्वयक नामित किया जाता है।

इस पर कुलपति महोदय की स्वीकृति प्राप्त है।

22/2/2024

(राकेश कुमार)
आई.ए.एस.
कुलसचिव

प्रतिलिपिः- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. सचिव, कुलपति को कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. छात्रकल्याण संकायाध्यक्ष।
3. समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष।
4. प्रो॰ हरि प्रसाद अधिकारी, आचार्य- तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग।
5. श्री नितिन आर्य, सहायक आचार्य- व्याकरण विभाग।
6. उपकुलसचिव (प्रशासन)।
7. श्री मोहित मिश्र, प्रोग्रामर।
8. आशुलिपिक कुलसचिव/वित्त अधिकारी।
9. अधीक्षक, प्रशासन/लेखा।
10. सम्बद्ध पत्रावली।

(राकेश कुमार)
आई.ए.एस.
कुलसचिव

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी

पत्रांक : कु.सं. 2130/2024 दिनांक : 22 फरवरी, 2024

कार्यालय–ज्ञाप

छात्र छात्राओं का स्पर्धात्मक परीक्षाओं के मार्ग दर्शन के अन्तर्गत **काव्य लेखन और नाटय प्रशिक्षण** हेतु दिनांक 12 से 14 मार्च 2024 त्रिदिवसीय कार्यक्रम आयोजित है।

अतः शास्त्री तृतीय, आचार्य प्रथम एवं द्वितीय वर्ष छात्र एवं शोध छात्र इस कार्यक्रम में भाग लेके स्पर्धात्मक परीक्षाएं के लिए तैयारी करें।

इस पर कुलपति महोदय की स्वीकृति प्राप्त है।

(राकेश कुमार)
आई.ए.एस.
कुलसचिव

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. सचिव, कुलपति को कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. छात्रकल्याण संकायाध्यक्ष।
3. प्रो. हरि प्रसाद अधिकारी, आचार्य– तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग।
4. श्री नितिन आर्य, सहायक आचार्य– व्याकरण विभाग।
5. उपकुलसचिव (प्रशासन)।
6. श्री मोहित मिश्र, प्रोग्रामर।
7. आशुलिपिक कुलसचिव/वित्त अधिकारी।
8. अधीक्षक, प्रशासन/लेखा।
9. सम्बद्ध पत्रावली।

(राकेश कुमार)
आई.ए.एस.
कुलसचिव

काव्य लेखन प्रशिक्षण

काव्य लेखन प्रशिक्षण

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

काव्य लेखन प्रशिक्षण

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

संस्कृत भाषा से शुद्ध होता है उच्चारण

प्रतिमाह होगा संस्कृत संभाषण शिविर, संस्कृत श्लोक अंत्याक्षरी प्रतियोगिता

माई सिटी रिपोर्टर

संपूर्णानंद विवि में प्रतियोगिता के बाद पुरस्कार के साथ प्रतिभागी। संवाद

वाराणसी। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी ने कहा कि संस्कृत भाषा से उच्चारण भी शुद्ध होता है, इसलिए हमें हमारे इतिहास से मिली इतनी बहुमूल्य धरोहर का सम्मान करना चाहिए और इसे बचाने के लिए हर मुमकिन प्रयास करना चाहिए। इस भाषा में बहुत कुछ सीखने को मौजूद है। हमारे सभी महान ऋषियों ने इसी भाषा के माध्यम से कई रचनाएं कीं, जिससे आज भी वैज्ञानिक आश्चर्यचकित हैं। इसलिए प्रतिदिन संस्कृत के अभ्यास का संकल्प लेना चाहिए।

वह संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में रविवार को संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। व्याकरण शास्त्र की शास्त्रार्थ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रामप्रसाद शुक्ल, द्वितीय शालिनी पांडेय, तृतीय साक्षी पांडेय, न्यायशास्त्र के शास्त्रार्थ में प्रथम शिवप्रसाद शुक्ल, द्वितीय अम्बरीष त्रिपाठी, तृतीय हर्ष मिश्र, वेदांत शास्त्र में प्रथम देवेन्द्र घिमिरे, संस्कृत गीत प्रतियोगिता में प्रथम शालिनी पांडेय, द्वितीय पुरस्कार प्रज्ज्वल शर्मा, तृतीय पुरस्कार अखिलेश कुमार मिश्र ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रत्येक माह संस्कृत संभाषण शिविर, संस्कृत श्लोक अंत्याक्षरी तथा संस्कृत गीतों का अभ्यास आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान डॉ. ज्ञानेंद्र सापकोटा और डॉ. विजय कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

पं. रामरुचि त्रिपाठी संस्कृत कवि सम्मान, पं. मुनिवर मिश्र स्मृति व्याख्यान एवं

संस्कृत कवि-गोष्ठी

14 फरवरी, 2024, बुधवार

02.00 बजे अपराह्न

आयोजन स्थल : योग साधना केन्द्र, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

महोदय,

विद्याश्री न्यास, श्रद्धानिधि न्यास एवं तुलनात्मक धर्मदर्शन विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में पं. विद्यानिवास मिश्र की पुण्यतिथि पर **14 फरवरी 2024 को 02.00 बजे अपराह्न, योग साधना केन्द्र, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी** में **संस्कृत कवि सम्मान, पं. मुनिवर मिश्र स्मृति व्याख्यान एवं संस्कृत कवि-गोष्ठी** का आयोजन किया गया है।

इस सारस्वत आयोजन की **अध्यक्षता** प्रोफेसर गोपबन्धु मिश्र, पूर्व कुलपति, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय करेंगे।

इस अवसर पर 2024 का पं. रामरुचि त्रिपाठी संस्कृत कवि सम्मान **प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी** को प्रदान किया जायेगा एवं **प्रो. रामचंद्र पाण्डेय** द्वारा श्रद्धानिधि न्यास की व्याख्यानमाला के अन्तर्गत **'ग्रह नक्षत्रों का दैनिक जीवन पर प्रभाव'** पर केन्द्रित पं. मुनिवर मिश्र स्मृति व्याख्यान भी दिया जायेगा।

अनुरोध है कि कृपया इस आयोजन में पधार कर हमें कृतार्थ करें।

निवेदक

डॉ. दयानिधि मिश्र
सचिव
विद्याश्री न्यास

सम्पर्क सूत्र : अभिलाषा कॉलोनी, निकट एक्सेल टॉवर, पी.डब्लू.डी. ऑफिस मार्ग, वरुणापुल, नदेसर, वाराणसी-2

संस्कृत सप्ताह में काव्य गोष्ठी

संस्कृत सप्ताह में काव्य गोष्ठी

विश्वविद्यालय में नाट्य कला के अन्तर्गत अभिज्ञान शाकुन्तलम नाट्य के मंचन में प्रतिभागी छात्र एवं छात्राऐं

नाट्य प्रशिक्षण देते हुए प्रो0 हरिप्रसाद अधिकारी एवं अन्य

मंचन उपरान्त पुरस्कृत करते हुए माननीय कुलपति महोदय